



ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I--खबब I

PART I-Section I

प्राधिकार से प्रकाशित

1440

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 156]

नई विस्ली, संगलकार, अन्यूबर 3, 1967/आध्विन 11, 1889

No. 1 1567 .

NEW DELHI, TULEDAY, OCTOFER 3, 1967/ASVINA 11, 1869

इस भाग में भिन्न पष्ट संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation.

बाणिज्य मंत्रालय

संकल्प

नई दिल्ती 26 सितम्बर, 1967

सं 0 19 (15) प्लांट (बी) '67:--सरकार ने टेरिफ श्रायोग से श्रन्रोध किया था कि स्वदेशी कच्चे रबह की उत्पादन लागत की जांच करें श्रीर सरकार को उस उचित मल्य की सिफारिश करें जो कच्चे रबड़ के लिए दिया जाना चाहिए । श्रामीम ने अन्य बातों के साथ-साथ सिफारिश की थी कि प्रार० एम० ए० ग्रेड । के रबड़ के लिये को चीन में जहाज तक निःशल्क 4150/- इपए प्रति मैदिक टन विक्रय मृत्य उचित होगा। भारत सरकार ने यह सिफारिश स्वीकार कर ली है।

- 2. कच्ने रबड़ की मूल्य की प्रशापत विवास करते समय सरकार ने मनुभव किया है कि रबड़ के छोड़े उत्पाद की को प्रशाप प्रयन्त्रभार में सुरार की लिये मुख तरकाल सहायता की भावस्यकता है। इस निर्वाल वित्तीय वर्ष में जिन छोड़े रबड़ उत्पाद की की पास दो हैंक्टर तक के बागान हैं उनकी 175 का प्रति हैंक्टर नकद सहायता ग्रीर जिनके पास दो हैंक्टर से भाविक तथा 4 हैंक्टर तक के बागान हैं उनकी 150 का प्रति हैंक्टर की नकद सहायता देने का विभार है।
- 3. सरकार का विचार है कि छोटे उत्पाद में को प्रयोग्त प्रतियोगिता मिक्स प्राप्त करने में समर्थ होता चाहिए जितने कि वे यथा शीघ्र प्राप्त में रों पर खड़े हो ल में। सरकार ने एक सिमिति नियुक्त करने का निर्णय किया है जो इन छोटे बःगारों की धर्य-ज्यतस्या का गहन महत्रपन करेगी और इन क्षेत्र में, कार्य कुणतता में सुप्तार तथा स्थिरता लाने के निमित्त धरेक्षित सहायता सम्बन्धी उपायों के बारे में सुप्ताब वेगी।
- 4. सिनिति, उन श्रम्य मामनों हे साथ साथ जिन पर वह इस सम्बन्ध में विचार करना भावश्यक समझें. तिम्नलिखिन पर भी विवार करेगी:---
 - (1) उत विशिव न हार की गहायता का व्यान रखेगी जो छोटे उत्पाद कों को रब इ खोडे द्वारा पहले ही दी जा रही है और विवार करेगी कि क्या इन क्षेत्र को किसी अभितिक सहायता की आवश्यका है, यदि हो तो वह सुझान देगी कि इन न हार सहायता किन रूप में और कित नी सीमा तक दी जानी चाहिए तथा इस प्रकार की सहायता कित नी अवित तक जारी रखी जानी चाहिए;
 - (2) सरकार द्वारा स्वीकार किए गये कन्ने रखड़ के उन्ति विकय मूल्य के आधार पर छोटे उत्पाद को प्रय-अमता प्राप्त करने में समर्थ नताने के हेतु प्रविक्षत प्रन्य उपायों के सम्बर्ग में विचार करेगी तया सरकार की परामर्थ देगी; ग्रीर
 - (3) लघु क्षेत्र में स्थिएता लाने में सह हारी सिमितियों के योगदान के सम्बन्ध में सरकार को परामर्श देगी।

समिति में निम्नलिखित शामिल होंगें :

(1) श्री टी॰ एम॰ श्रन्युल्ला, अध्यक्ष सेवा निवृत्त न्यायाधीण, रहमत बाग, कण्णनूर (केरल)

(2) प्रतिरिक्त मधिव, सदस्य कृषि विभाग, केल्ल सरकार, विवेदेग । (3) श्री मेथ्बू मण्यांगवन, सदस्य (भूतपूर्वं संसद् सदस्य), कोट्टयम (केरल)।

(4) श्री चेरियन कम्पन, सदस्य (भूतपूर्व संसद् सदस्य), पार्व केरल।

(5) श्री पी० एस० हबीग मुहम्मद, सदस्य भ्रष्ट्यक्ष रवड़ बोर्ड, कोट्ट्यम (केरल)।

5. समिति अपना प्रतिवेदन छ: महिने की धवधि के अन्दर सरकार को दे देगी।

बार्देश

श्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी सम्बन्धों को भेज दी जाए । यह भी श्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सार्वजनिक जानकारी के लिए भारत के राज्यक में प्रकाशित किया जाए ।

पी० सी० प्रसन्ताण्डर, संयुन्त सचिव।